



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 229]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 16, 2010/श्रावण 25, 1932

No. 229]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 16, 2010/SHRAVANA 25, 1932

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जाँच शुरुआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 अगस्त, 2010

विषय : यूरोपीय संघ, कोरिया गण. तथा अमरीका के मूल के या वहां से निर्यातित 600 मि.मि. से कम की चौड़ाई वाले 400 शृंखला के स्टेनलैस इस्पात के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पादों के आयातों के बारे में पाटनरोधी जाँच की शुरुआत।

सं. 14/19/2010-डीजीएडी.—मै. जे एस एल लि., ने यूरोपीय संघ, कोरिया तथा अमरीका (जिन्हें आगे सम्बद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित 600 मि.मि. से कम की चौड़ाई वाले 400 शृंखला के स्टेनलैस इस्पात के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पादों के आयातों के बारे में पाटनरोधी जाँच शुरू करने के लिए समय-समय पर यथासंशोधित सी.शु. टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सी.शु. टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया है।

2. और यतः प्राधिकारी ने यह पाया है कि सम्बद्ध देशों द्वारा सम्बद्ध वस्तु के पाटन, घरेलू उद्योग को हुई "क्षति" तथा पाटन एवं "क्षति" के बीच कारणात्मक संबंध का पर्याप्त साक्ष्य मौजूद है ताकि पाटनरोधी जाँच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराया जा सके; प्राधिकारी एतद्वारा आरोपित किसी पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने एवं पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश करने, जिसे यदि लागू किया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई "क्षति" को समाप्त करने हेतु पर्याप्त होगी, के लिए उक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार आरोपित पाटन तथा घरेलू उद्योग को हुई परिणामी क्षति की जाँच शुरू करते हैं।

घरेलू उद्योग और आधार

3. यह आवेदन मै. जे एस एल लि. ने दायर किया है। इस उत्पादक ने वर्तमान जाँच से संगत सूचना प्रदान की है। आवेदक कम्पनी का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन के 50 प्रतिशत से अधिक बनता है। प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि (क) आवेदक कम्पनियों का उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है और (ख) यह आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा या उसकी ओर से किया गया है।

4. उपर्युक्त की जांच करने के बाद प्राधिकारी प्रथम दृष्टया यह निर्धारित करते हैं कि आवेदक नियम 2(घ) के साथ पठित नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है और वे नियमावली के नियम 5 के अनुसार आधार संबंधी मानदंड को पूरा करते हैं।

विचाराधीन उत्पाद

5. विचाराधीन उत्पाद "600 मिमी. से कम चौड़ाई वाले 400 श्रृंखला के स्टेनलैस उत्पाद की कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पाद हैं जिनमें समस्त फेरेटिक एवं मार्टेन्सिटिक ग्रेड शामिल हैं, परंतु रेजर ब्लेड इस्पात शामिल नहीं है।"

6. संबद्ध वस्तु का उपयोग प्रोसेस उपकरणों, रेलवे पाइप एवं ट्यूब, आटोमोटिव संघटकों, औद्योगिक फैब्रिकेशन, औद्योगिक कटिंग औजारों, शल्य चिकित्सा छुरियों एवं अन्य कटिंग औजारों, पंप आदि के विनिर्माण में किया जाता है।

7. संबद्ध उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय शीर्ष 7220.20.10, 7220.20.21, 7220.20.22, 7220.20.29, 7220.20.90, 7220.90.10, 7220.90.21, 7220.90.22, 7220.90.29 तथा 7220.90.90 के अंतर्गत वर्गीकृत है। यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

समान वस्तुएं

8. आवेदक ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित वस्तु के "समान वस्तु" है। पठित आयातों तथा घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तु के तकनीकी विनिर्देशनों, गुणवत्ता, कार्य एवं अंतिम उपयोग में कोई अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से तुलनीय और प्रतिस्थापनीय है। अतः जांच की शुरुआत के प्रयोजनार्थ आवेदकों द्वारा ऊपर उल्लिखित 400 श्रृंखला के स्टेनलैस इस्पात के कोल्ड फ्लैट उत्पादों के विवरण वाली वस्तु को पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु के समान वस्तु माना जा रहा है।

शामिल देश

9. वर्तमान जांच में शामिल देश यूरोपीय संघ, कोरिया गण तथा अमरीका हैं।

पाटन

सामान्य मूल्य

10. आवेदक ने ई. यू. कोरिया गण. तथा अमरीका हेतु एम ई पी एस स्टेनलैस स्टील रिव्यू से संबद्ध वस्तु की प्रकाशित कीमतों के ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं। यह भी अनुरोध किया गया है कि उक्त पत्रिका में सूचित कीमतें 2.0 मि.मी. की मोटाई के बारे में हैं। तथापि, जिस वस्तु का भारत में आयात किया जाता है उसकी मोटाई 0.5 मि.मी. से 2.00 मि.मी. की है जबकि अधिकांश की मोटाई 0.5 मि.मी. से 1.20 मि.मी. तक की होती है। अतः उक्त पत्रिका में सूचित कीमतों का

समायोजन 0.8 मिमी. की चौड़ाई को औसत आकार मानते हुए पारंपरिक आधार पर किया गया है।

11. जांच शुरुआत के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने आवेदक के दावे के अनुसार संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य पर प्रथम दृष्टया विचार किया है।

निर्यात कीमत

12. याचिकाकर्ता के अनुसार चूंकि डी जी सी आई एंड एस से समूची जांच अवधि के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए निर्यात कीमत का दावा साइबैक्स एग्जिम सोल्यूशन्स प्रा.लि. से प्राप्त सौदेवार आयात के आंकड़ों के आधार पर किया गया है। समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, पत्तन हैंडलिंग एवं कमीशन के संबंध में समायोजनों का दावा किया गया है ताकि कारखाना स्तर पर निर्यात कीमत निकाली जा सके। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की निवल निर्यात कीमत का पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य है।

पाटन मार्जिन

13. इस बात का पर्याप्त साक्ष्य है कि संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य निवल निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथम दृष्टया यह पता चलता है कि संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है। सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना कारखाना स्तर पर की गई है जिससे संबद्ध देशों के बारे में पर्याप्त पाटन मार्जिन का पता चलता है।

क्षति एवं कारणात्मक संबंध

14. याचिकाकर्ता ने वास्तविक क्षति से संबंधित विभिन्न मापदंडों के बारे में सूचना प्रस्तुत की है। आवेदक ने लाभप्रदता, लंगाई गई पूंजी पर आय, नकद प्रवाह, बाजार हिस्से में गिरावट, घरेलू कीमत पर प्रभाव एवं अत्यधिक कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री के रूप में संबद्ध देशों से हुए आरोपित पाटन के परिणामस्वरूप हुई क्षति के बारे में प्रथमदृष्टया साक्ष्य प्रस्तुत किया है। घरेलू उद्योग को हो रही वास्तविक क्षति का पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य है और यह क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हो रही है।

जांच की अवधि

15. जांच शुरुआत के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने 1 जनवरी, 2009 से 31 दिसंबर, 2009 (12 माह) की अवधि के लिए प्रदत्त सूचना पर विचार किया है। तथापि, वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच अवधि 1 जनवरी, 2009 से 31 मार्च, 2010 (15 माह) की ली गई है। तथापि, क्षति अवधि में अप्रैल, 2006-मार्च, 2007, अप्रैल, 2007-मार्च, 2008, अप्रैल, 2008-मार्च, 2009 की अवधि और जांच अवधि शामिल होगी।

सूचना प्रस्तुत करना

16. संबंधित समझे जाने वाले निर्यातकों तथा आयातकों और घरेलू उद्योग को अलग से सूचित किया जा रहा है ताकि वे निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से समस्त संगत सूचना प्रस्तुत कर सकें। वर्तमान जांच में भाग लेने का इच्छुक कोई अन्य पक्षकार निम्नलिखित को लिख सकता है :

निर्दिष्ट प्राधिकारी

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

भारत सरकार

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

वाणिज्य विभाग

उद्योग भवन, नई दिल्ली -110011.

समय सीमा

17. इस जांच से संबंधित कोई सूचना लिखित में भेजी जानी चाहिए जो इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिन से पूर्व उपर्युक्त पते पर प्राधिकारी के पास पहुंच जानी चाहिए। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त अधिसूचना अधूरी है तो प्राधिकारी उपर्युक्त नियमों के अनुसार रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

अगोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

18. सभी हितबद्ध पक्षकार उपर्युक्त नियमावली के नियम 7 (1) के अनुसार प्रदत्त गोपनीय सूचना के लिए नियम 7(2) के अनुसार गोपनीय तथा अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करेंगे। अगोपनीय रूपांतरण या गोपनीय सूचना का अगोपनीय सारांश विस्तार में होना चाहिए ताकि अन्य हितबद्ध पक्षकार इस सूचना को सार्थ ढंग से समझ सकें। यदि ऐसी सूचना प्रदान करने वाले पक्षकार की राय में ऐसी सूचना का सारांश संभव नहीं है तो इसके कारण का एक विवरण उपलब्ध कराना अपेक्षित है।

19. उपर्युक्त पैरा में निहित किसी बात के होते हुए भी यदि प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हैं कि गोपनीयता का अनुरोध अपेक्षित नहीं है अथवा सूचना प्रदाता सूचना को सार्वजनिक करने का अनिच्छुक हैं या फिर सामान्य रूप में अथवा सारांश रूप में उसका प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वे ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

20. नियम 6 (7) के अनुसार कोई हितबद्ध पक्षकार अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतरण वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है।

21. सभी हितबद्ध पक्षकार उपर्युक्त नियमावली के नियम 7 (1) के अनुसार प्रदत्त गोपनीय सूचना के लिए नियम 7(2) के अनुसार गोपनीय तथा अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करेंगे।

22. यदि कोई हितवद्ध पक्षकार उचित अवधि के भीतर आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है और उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को ऐसी यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 16th August, 2010

Subject : Initiation of Anti-dumping investigation concerning imports of Stainless Steel Cold Rolled Flat Products of 400 series having width below 600 mm originating in or exported from European Union, Korea RP and USA.

No. 14/19/2010-DGAD.—M/s JSL Ltd. has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Rules) for initiation of Anti-Dumping investigation concerning imports of Stainless Steel Cold Rolled Flat Products of 400 series having width below 600 mm originating in or exported from European Union, Korea and USA (hereinafter referred to as subject countries).

2. AND WHEREAS, the Authority finds that sufficient evidence of dumping of the subject goods by the subject countries, 'injury' to the domestic industry and causal link between the dumping and 'injury' exist to justify initiation of an anti-dumping investigation; the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the 'injury' to the domestic industry.

Domestic Industry & Standing

3. The application has been filed by M/s JSL Ltd. This producer has provided information relevant to the present investigation. The production of the applicant company constitutes more than 50 % of total Indian production.

321846/10-2

The Authority has determined that (a) production of the applicant company constitutes a major proportion in Indian production and; (b) the application has been made by or on behalf of the domestic industry.

4. The Authority after examining the above, prima facie determines that the petitioner constitutes domestic Industry within the meaning of the rule 2(b) read with 2(d) and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules.

Product under consideration

5. The product under consideration is 'Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel of 400 series having a width of less than 600mm including all Ferritic & Martensitic grades excluding Razor Blade Steel'.

6. The subject goods are used for manufacture of process equipments, railways, pipes & tubes, automotive components, industrial fabrication, industrial cutting tools, surgical knives & other cutting tools, pumps etc.

7. The subject goods are classified under Custom Headings 7220.20.10, 7220.20.21, 7220.20.22, 7220.20.29, 7220.20.90, 7220.90.10, 7220.90.21, 7220.90.22, 7220.90.29 and 7220.90.90. The Customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

Like Articles

8. The applicant has claimed that the goods produced by them are "like articles" to the goods originating in or exported from the subject countries. There are no differences either in the technical specifications, quality, functions or end-uses of the dumped imports and the domestically produced subject goods. The subject goods produced by the domestic industry and imports from subject countries are comparable and technically & commercially substitutable. Therefore, for the purpose of investigation, Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel of 400 series of the description mentioned above by the applicant are being treated as like articles to the subject goods being imported from subject countries within the meaning of the Anti Dumping Rules.

Countries involved

9. The countries involved in the present investigation are European Union, Korea RP and USA.

Dumping**Normal Value**

10. The applicant has submitted details of the published prices of the subject goods from MEPS Stainless Steel Review for EU, Korea RP and USA. It is also submitted that the prices reported in the said journal are for thickness 2.0MM. However the subject goods which are imported into India are in the thickness range of 0.5MM to 2.00MM with a majority in the range of 0.5MM to 1.20MM. Therefore, the prices reported in the said journal are adjusted on a conservative basis by considering the width as 0.8MM as average size

11. For the purpose of initiation, the Authority has prima-facie considered the normal value of subject goods in subject countries as claimed by the applicant.

Export Price

12. Since import data from DGCI&S is not available for the whole Period of Investigation, as stated by the petitioner, the export prices have been claimed on the basis of transaction-wise import data obtained from Cybex Exim Solutions Pvt. Limited. Adjustments have been claimed on ocean freight, marine insurance, port handling and commission to arrive at the export price at ex-factory level. The Authority notes that there is sufficient prima facie evidence of the net export price for the subject goods from the subject countries.

Dumping Margin

13. There is sufficient prima facie evidence that the normal values of the subject goods in the subject countries are significantly higher than the net export prices indicating prima-facie that the subject goods are being dumped by the exporters from the subject countries. Normal value and export price have been compared at ex-factory level which shows significant dumping margin in respect of subject countries.

Injury and Causal Link

14. The petitioner has furnished information on various parameters relating to material injury. The applicant has furnished prima facie evidence regarding the injury having taken place as a result of the alleged dumping from subject countries in the form of fall in profitability, return on capital employed, cash flow, effect on domestic prices and significant price undercutting and price underselling. There is sufficient prima-facie evidence of the material injury

321840/10-3

being suffered by the domestic industry and the same is being caused by dumped imports from subject countries.

Period of Investigation

15. For the purpose of initiation, the Authority has considered the information provided for the period 1st January 2009 to 31st December 2009 (12 months). However, for purpose of the present investigation, period of investigation (POI) is taken from **1st January 2009 to 31st March 2010 (15 months)**. The injury period will however cover the periods April, 2006-March, 2007, April, 2007-March, 08 April, 2008-March, 2009 and the POI.

Submission of information

16. The exporters and importers known to be concerned and domestic industry are being informed separately to enable them to file all information relevant in the form and manner prescribed. Any other party interested to participate in the present investigation may write to:

The Designated Authority
(Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties)
Government of India
Ministry of Commerce & Industry
Department of Commerce
Udyog Bhavan, New Delhi-110011.

Time limit

17. Any information relating to this investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the above address not later than 40 days from the date of publication of this notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record their findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules supra.

Submission of Information on Non-Confidential basis

18. All interested parties shall provide a confidential and non-confidential summary in terms of Rule 7 (2), for the confidential information provided as per Rule 7 (1) of the Rules supra. The non-confidential version or non-confidential summary of the confidential information should be in sufficient detail to provide a meaningful understanding of the information to the other interested parties. If in the opinion of the party providing such information,

such information is not susceptible to summary; a statement of reason thereof is required to be provided.

19. Notwithstanding anything contained in para above, if the Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.

INSPECTION OF PUBLIC FILE

20. In terms of rule 6(7) any interested party may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by other interested parties.

21. All interested parties shall provide a confidential and non-confidential summary in terms of Rule 7 (2), for the confidential information provided as per Rule 7 (1) of the Rules supra.

22. In case any interested party refuses access to and otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Governments as deemed fit.

P. K. CHAUDHERY, Designated Authority